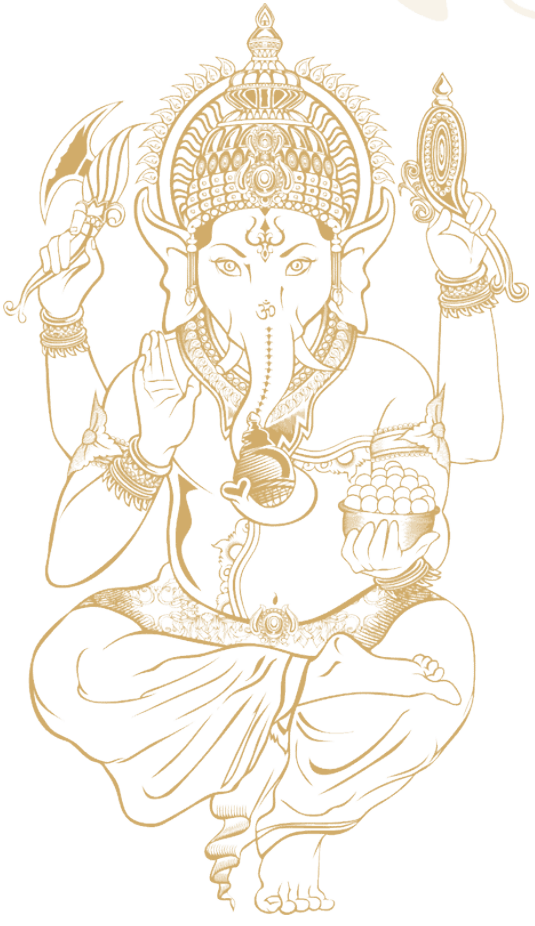

Shesh dwivedi

06 Jul 1981

10:06 AM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120876607

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/07/1981**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**10:06:00 घंटे**
इष्ट	11:51:42 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:57:16 घंटे
वेलान्तर	-00:04:38 घंटे
साम्पातिक काल	04:53:35 घंटे
सूर्योदय	05:21:19 घंटे
सूर्यास्त	19:05:20 घंटे
दिनमान	13:44:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	20:25:40 मिथुन
लग्न के अंश	21:32:40 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्यतिपात
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टा-टाटा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	21:32:40	321:51:45	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			मिथु	20:25:40	00:57:13	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	सम राशि
चंद्र			सिंह	16:50:43	12:55:11	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			वृष	28:06:20	00:41:13	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
बुध			मिथु	03:01:43	00:13:13	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	स्वराशि
गुरु			कन्या	09:03:55	00:06:26	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	14:07:21	01:12:55	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
शनि			कन्या	10:12:09	00:03:02	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
राहु			कर्क	08:10:29	00:01:46	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			मक	08:10:29	00:01:46	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृश्चि	02:48:36	00:01:24	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
नेप	व		वृश्चि	29:19:24	00:01:29	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
प्लूटो			कन्या	27:56:41	00:00:09	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	---
दशम भाव			वृष	21:06:08	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:35:42

लग्न-चलित

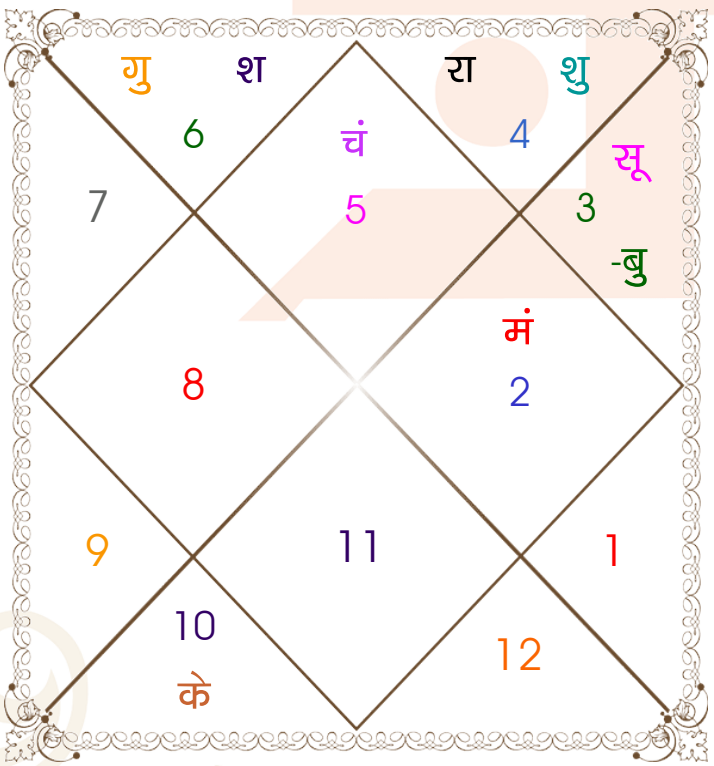

चन्द्र कुंडली

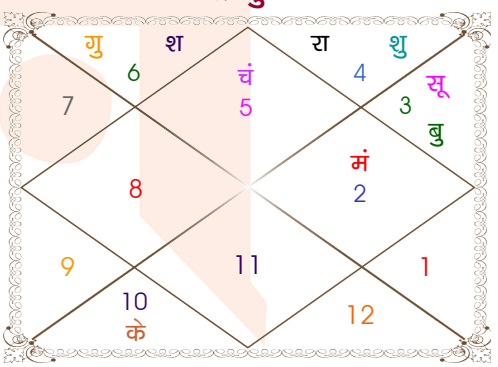

नवमांश कुंडली

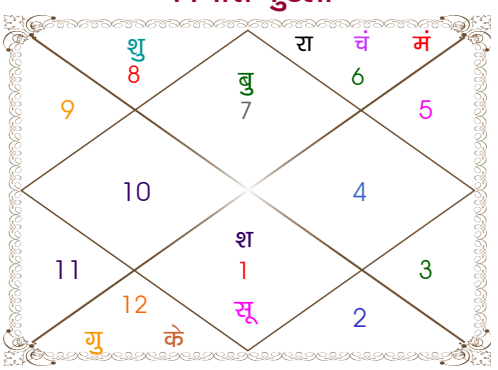

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 14 वर्ष 8 मास 23 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
06/07/1981		30/03/1996		30/03/2002		30/03/2012		31/03/2019	
30/03/1996		30/03/2002		30/03/2012		31/03/2019		30/03/2037	
	00/00/0000	सूर्य	17/07/1996	चंद्र	29/01/2003	मंगल	26/08/2012	राहु	11/12/2021
	06/07/1981	चंद्र	16/01/1997	मंगल	30/08/2003	राहु	14/09/2013	गुरु	05/05/2024
चंद्र	30/03/1982	मंगल	24/05/1997	राहु	28/02/2005	गुरु	20/08/2014	शनि	12/03/2027
मंगल	30/05/1983	राहु	18/04/1998	गुरु	30/06/2006	शनि	29/09/2015	बुध	29/09/2029
राहु	30/05/1986	गुरु	04/02/1999	शनि	29/01/2008	बुध	25/09/2016	केतु	17/10/2030
गुरु	28/01/1989	शनि	17/01/2000	बुध	29/06/2009	केतु	22/02/2017	शुक्र	17/10/2033
शनि	30/03/1992	बुध	22/11/2000	केतु	28/01/2010	शुक्र	24/04/2018	सूर्य	11/09/2034
बुध	29/01/1995	केतु	30/03/2001	शुक्र	29/09/2011	सूर्य	30/08/2018	चंद्र	12/03/2036
केतु	30/03/1996	शुक्र	30/03/2002	सूर्य	30/03/2012	चंद्र	31/03/2019	मंगल	30/03/2037

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
30/03/2037		30/03/2053		30/03/2072		30/03/2089		30/03/2096	
30/03/2053		30/03/2072		30/03/2089		30/03/2096		00/00/0000	
गुरु	18/05/2039	शनि	02/04/2056	बुध	27/08/2074	केतु	26/08/2089	शुक्र	30/07/2099
शनि	29/11/2041	बुध	11/12/2058	केतु	24/08/2075	शुक्र	26/10/2090	सूर्य	31/07/2100
बुध	06/03/2044	केतु	20/01/2060	शुक्र	24/06/2078	सूर्य	03/03/2091	चंद्र	07/07/2101
केतु	09/02/2045	शुक्र	21/03/2063	सूर्य	30/04/2079	चंद्र	02/10/2091		00/00/0000
शुक्र	11/10/2047	सूर्य	02/03/2064	चंद्र	28/09/2080	मंगल	28/02/2092		00/00/0000
सूर्य	30/07/2048	चंद्र	02/10/2065	मंगल	26/09/2081	राहु	18/03/2093		00/00/0000
चंद्र	29/11/2049	मंगल	11/11/2066	राहु	14/04/2084	गुरु	22/02/2094		00/00/0000
मंगल	05/11/2050	राहु	17/09/2069	गुरु	21/07/2086	शनि	03/04/2095		00/00/0000
राहु	30/03/2053	गुरु	30/03/2072	शनि	30/03/2089	बुध	30/03/2096		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 14 वर्ष 9 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।